Syllabus

2nd Semester

Bachelor of Arts (Multidisciplinary)

Hindi

Scheme of Programme

(Scheme UG A1: Undergraduate Programmes (Multidisciplinary)

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A2	हिंदी का मध्यकालीन साहित्य		3	1		3	1		4	30	70			100

240/HINM/CC202 (8)

सेमेस्टर 2 (CCA2)

हिंदी का मध्यकालीन साहित्य

पूर्णांक:100
लिखित परीक्षा:70
आंतरिक मूल्यांकन:30

Course ID-

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृतांतों का सन्निवेश होता है।
- इतिहास दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।
- इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के संदर्भों मे आगत को प्रभावित करती है।

पाठ्यक्रम परिणाम:

- हिंदी साहित्य के इतिहास के अध्ययन का उद्देश्य भी यही है की वह नई व्याख्या, नई प्रेरणा और नई दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करना है।
- आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना ।
- मानव समाज की संपूर्ण गति तथा परिवर्तन का मूल्यो के संदर्भों में भी अध्ययन करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

- निर्धारित पाठ्यपुस्तक- मध्यकालीन काव्य कुंज: सं डॉ रामसजन पांडेय प्रकाशक: खाटू श्याम 1276/5 पीर जी मोहल्ला प्रकाशन, प्रताप टाकीज, रोहतक।
- हिंदी साहित्य का आधुनिककाल
- काव्यशास्त्र
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड: क - मध्यकालीन काव्य कुंज

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठंव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड: ख - हिंदी साहित्य का आधुनिककाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. आधुनिककाल का उद्भव और विकास
2. भारतेन्दु युगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
3. दिवेदी युगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
4. छायावाद युग
5. प्रगतिवाद युग

6. प्रयोगवाद युग
7. नयी कविता युग
8. समकालीन कविता युग

खण्ड : ग - काव्यशास्त्र पर आधारित विषय

1. काव्य के तत्व
2. रस: स्वरूप और अंग
3. रस के भेद
4. अलंकार-अनुप्रास,श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति
5. छंद : दोहा ,चौपाई, सोरठा ,कुण्डलिया, छप्पय ,बरवै , कवित्त, घनाक्षरी
6. शब्दशक्तियां: अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
7. कव्यगुण: प्रसाद, माधुर्य, और ओज

खण्ड: घ - वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश-

1. खण्ड क: में निर्धारित पाठ्यपुस्तक मे से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमे से परिक्षार्थियो को किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी।पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

2. खण्ड क : में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवम आलोचनात्मक प्रश्नों मे से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से परीक्षार्थीयों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

3. खण्ड क : मे निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवम आलोचनात्मक प्रश्नों मे से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से परीक्षार्थीयों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4. खण्ड ख : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परीक्षार्थीयों को किसी दो प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

5. खण्ड ख : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से परीक्षार्थीयों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

6. खण्ड ग : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से 6 प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परीक्षार्थीयों को 3 किन्हीं प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

7. खण्ड : घ मे से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।